कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (30) खण्ड -{59}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- पाप मुख्य रूप से कब होते हैं ?

A- बाप को भूलने से

B- देह अभिमान में आने से

C- किसी को दुःख देने से

D- ग्रहचारी बैठने से

प्रश्न 2- सारी पुरानी दुनिया का विनाश का कार्य कौन करते हैं ?

A- शिव बाबा

B- शंकर

C- प्रकृति

D- उपरोक्त सभी के सहयोग से

प्रश्न 3- गरीब का एक ..... साहूकार का एक रूपया समान होता है ?

A- पैसा

B- आना

C- पाई

D- कौड़ी

प्रश्न 4- याद की यात्रा में रह कमाई कब जमा करनी है ?

A- चलते फिरते

B- जब भी फुर्सत मिले

C- कर्म करते

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- ब्राह्मण चोटी हैं, उनके ऊपर कौन है ?

A- देवी देवता

B- कोई नही

C- शिव बाबा

D- ब्रह्मा बाबा

प्रश्न 6- इनमे से कौन सा सही नहीं है ?

A- शूद्र भी वर्सा पा सकते हैं।

B- रूहानी सेवाधारी ब्राह्मणों का भी गायन है।

C- देवी-देवताओं का भी गायन है।

D- उपरोक्त सभी सही हैं।

प्रश्न 7- रावणराज्य में बुद्धि रांग काम ही कराती है क्यों ?

A- विकारों के वश हैं।

B- 63 जन्मों के संस्कार हैं।

C- बुद्धि को ताला लग गया है।

D- बुद्धि तमोप्रधान हो गई हैं।

प्रश्न 8- सर्विसएबुल बच्चों की बुद्धि में सारा दिन क्या रहता है ?

A- बाप और वर्सा

B- सेवा के प्लान्स

C- पीस स्थापन कैसे हो

D- बाबा का ज्ञान

प्रश्न 9- बाप आये हैं तुम्हें भक्ति का फल देने, भक्ति का फल क्या है ?

A- भगवान

B- ज्ञान

C- स्वर्ग

D- साक्षात्कार

प्रश्न 10- ब्राह्मण कुल में बड़े से बड़े कौन है ?

A- जो अच्छी सर्विस करने वाले हैं।

B- जिन्हें सदैव अपनी उन्नति का ही ओना रहता है।

C- जो पढ़ाई कर बहुत तीखे जाते हैं।

D- जो तन-मन-धन सब ईश्वरीय सेवा में ही सफल करते हैं।

E- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- पहले-पहले कौन सा मन्दिर बना है अव्यभिचारी भक्ति के लिए ?

A- सोमनाथ

B- बद्रीनाथ

C- केदारनाथ

D- ब्रह्मा का मंदिर

प्रश्न 12- तुम अभी वन्डरफुल रूहानी यात्री हो, तुम्हें इस यात्रा से क्या बनना है ?

A- सच्चा पैगम्बर

B- पद्मापदम भाग्यशाली

C- 21 जन्म निरोगी

D- विश्व का मालिक

प्रश्न 13- इस पुरानी छी -छी दुनिया से बेहद का वैराग्य क्यों रखना है ?

A- क्योंकि यह असार संसार है

B- क्योंकि यहाँ सुख काग विष्टा के समान है।

C- क्योंकि अब यह दुनिया खत्म होने वाली है।

D- क्योंकि अंत मति सो गति हो जाएगी।

प्रश्न 14- बाप ने कौन सा दिव्य कर्तव्य किया है, जिसके कारण उनकी इतनी महिमा गाई हुई है ?

A- सुखधाम की स्थापना करते हैं।

B- सभी मनुष्यों को माया रावण की जंजीरों से छुड़ाना ।

C- बेहद के बाप से ही बेहद सुख का वर्सा मिलता है।

D- A,B और C

E- B और C

प्रश्न 15- जो दृढ़ निश्चय से भाग्य को निश्चित कर देते हैं, उनके सम्बन्ध में बाबा क्या कहते हैं ?

A- वे सफलता प्राप्त करते हैं

B- वे सदा निश्चिंत रहते हैं।

C- वे दिलतख्त पर चढ़ते हैं।

D- वे भाग्यवान हैं।

प्रश्न 16- ब्राह्मण जीवन की पालना का आधार क्या है ?

A- खुशी

B- दुआएं

C- सेवा

D- बधाइयां

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (30) खण्ड -{59}

उत्तर 1- *B.देह अभिमान में आने से*

मैनर्स भी अच्छे चाहिए, किसको भी दुःख नहीं देना चाहिए। नहीं तो नाम बदनाम कर देंगे। कभी क्रोध नहीं करना चाहिए। *देह-अभिमान में आने से पाप तो होते हैं।* बाबा के

बने हो तो कहते हो बाबा यह सब कुछ आपका है। सच्ची दिल पर साहेब राज़ी होगा। दिल में कोई खोट नहीं होना चाहिए। नहीं तो और ही गिरते रहेंगे

उत्तर 2- *A.शिव बाबा*

ड्रामा प्लैन अनुसार यह भी नूँध है, जब धर्म प्राय:लोप हो तब तो बाबा आकर सत धर्म की स्थापना करे और अनेक धर्मों का विनाश कराये। शिवबाबा खुद इन द्वारा देवी-देवता धर्म की स्थापना करते हैं *क्योंकि उनको ही सारी पुरानी दुनिया का विनाश भी कराना है।* वह विनाश का कार्य और कोई नहीं करते ।

उत्तर 3- *C.पाई*

इस समय ऐसे नहीं कि धन से तुमको साहूकार बनना है। नहीं, बाबा ने समझाया है *गरीब की एक पाई, साहूकार का एक रूपया समान।* तीन पाई मिलकर एक पैसा बनता है। चार पैसा मिलकर एक आना बनता है।एक रुपये में सोलह आना होते है। दोनों को वर्सा इतना ही मिलता है।

उत्तर 4- *D.उपरोक्त सभी*

बच्चों को अभी रचता और रचना के आदि मध्य अन्त का नॉलेज तो बुद्धि में है, यह भी समझते हैं कि हम भारतवासी पहले-पहले सतयुग में सतोप्रधान थे। यह याद बच्चों के लिए बहुत जरूरी है इसलिए *चलते फिरते कर्म करते, जब भी फुर्सत मिले तो याद की यात्रा में रह कमाई जमा करनी है।*

उत्तर 5- *C.शिव बाबा*

बच्चों ने किसकी महिमा सुनी? ब्रह्मा की, सरस्वती की वा शिव की? जब कहते हैं तुम्हारे सिवाए और कोई नहीं तो दूसरे फिर किसकी महिमा की जा सकती है। *भल ब्राह्मण चोटी हैं परन्तु उनके ऊपर शिवबाबा है ना।* उनके सिवाए और कोई की महिमा नहीं है।

उत्तर 6- *A.शूद्र भी वर्सा पा सकते हैं*

बाप कहते हैं मैं हूँ तुम पतितों को पावन बनाने वाला। मैं नहीं होता तो तुम ब्राह्मण थोड़ेही होते। तुम ब्राह्मण अब सीख रहे हो, बाप से वर्सा पा रहे हो। *शूद्र तो वर्सा पा न सकें।* तो बलिहारी एक बाप की है।

उत्तर 7- *C.बुद्धि को ताला लग गया है*

पढ़ने और पढ़ाने वाले कभी भी छिपे नहीं रह सकते। हाँ, तूफान तो जरूर आयेंगे। यह 5 विकार ही तंग करते हैं। *रावणराज्य में बुद्धि रांग काम ही कराती है क्योंकि बुद्धि को ताला लग जाता है।* माया ने सबको ताला लगा दिया है। ज्ञान का तीसरा नेत्र अभी मिला है।

उत्तर 8- *D.बाबा का ज्ञान*

बाप बैठ समझाते हैं तुम भारतवासी क्या बन पड़े हो। यह ब्रह्मा भी समझते हैं हम क्या थे फिर 84 जन्मों के बाद क्या बनते हैं। भारत में 84 जन्म इन लक्ष्मी-नारायण के ही गिनेंगे। बाप भी यहाँ ही आये हैं। शिव जयन्ती भी भारत में ही

होती है *।सर्विसएबुल बच्चों की बुद्धि में सारा दिन यही नॉलेज रहती है।*

उत्तर 9- *B.ज्ञान*

इस समय है ही भक्ति मार्ग। ज्ञान से होता है दिन, सुख। भक्ति से होती है रात, दुःख। *जब भक्ति पूरी हो तब ज्ञान मिले। भक्ति का फल है ज्ञान।* ज्ञान देने वाला एक ही ज्ञान सागर बाप है।

उत्तर 10- *E.उपरोक्त सभी*

ब्राह्मण कुल में बड़े से बड़े वह हैं जो अच्छी सर्विस करने वाले हैं। जिन्हें सदैव अपनी उन्नति का ही ओना (ख्याल) रहता है, जो पढ़ाई कर बहुत तीखे जाते हैं। ऐसे महावीर बच्चे अपना तन-मन-धन सब ईश्वरीय सेवा में ही सफल करते हैं। अपनी चलन पर बहुत ध्यान देते हैं।

उत्तर 11- *A.सोमनाथ*

अब बाप समझाते हैं तुम ब्राह्मणों का दिन और रात है बेहद की। आधाकल्प दिन, आधाकल्प रात। जरूर इक्वल चाहिए ना। आधाकल्प से भक्ति मार्ग शुरू होता है, यह किसको पता नहीं है। सोमनाथ का मन्दिर कब बना? *पहले-पहले सोमनाथ का मन्दिर ही बना है - अव्यभिचारी भक्ति के लिए।*

उत्तर 12- *C. 21 जन्म निरोगी*

मीठे बच्चे - *तुम अभी वन्डरफुल रूहानी यात्री हो, तुम्हें इस यात्रा से 21 जन्मों के लिए निरोगी बनना है*। रूहानी बाप को रूहानी सर्जन कहा जाता है क्योंकि याद वा योग सिखलाते हैं, जिससे हमारी आत्मा एवर निरोगी बन जाती है। 21 जन्म कभी रोगी नहीं बनते।

उत्तर 13- *C.क्योंकि अब यह दुनियां खत्म होने वाली है*

यह है रूद्र ज्ञान यज्ञ, जहाँ बाप बैठ राजयोग सिखलाते हैं। जब राजाई स्थापन हो जाती है तो यह विनाश ज्वाला प्रज्जवलित होती है,इसीलिए *इस पुरानी छी-छी दुनिया, जो कि अब खत्म होने वाली है, इससे बेहद का वैराग्य रख स्वर्ग के रचयिता बाप को याद करना है।*

उत्तर 14- *D. A,B और C*

सभी मनुष्यों को माया रावण की जंजीरों से छुड़ाना - *यह दिव्य कर्तव्य एक बाप ही करते हैं। बेहद के बाप से ही बेहद सुख का वर्सा मिलता है,* जो फिर आधाकल्प तक चलता है। सतयुग में है गोल्डन जुबली, त्रेता में है सिल्वर जुबली। वह सतोप्रधान, वह सतो। दोनों को ही सुखधाम कहा जाता है। ऐसे *सुखधाम की स्थापना बाप ने की है,* इसलिए उनकी महिमा गाई जाती है।

उत्तर 15- *B.वे सदा निश्चित रहते हैं*

तुम ब्राह्मणों को ईश्वर की गोद मिली है, तुम्हें नशा रहना चाहिए बाप ने इस तन द्वारा हमें अपना बनाया है ,जो इस नशे

और *दृढ़ निश्चय से भाग्य को निश्चित कर देते हैं वही सदा निश्चिंत रहते हैं।*

उत्तर 16- *D.बधाइयां*

बापदादा की विशेष खुशियों भरी बधाइयों से ही सर्व ब्राह्मण वृद्धि को प्राप्त कर रहे हैं। *ब्राह्मण जीवन की पालना का आधार बधाइयां हैं।* बधाइयों की खुशी से ही आगे बढ़ते जा रहे हो। बाप के स्वरूप में हर समय बधाइयां हैं।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (30) खण्ड -{60}

प्रश्न 1- आत्मा के बेसमझ होने का मुख्य कारण क्या है ?

A- क्योंकि देही- अभिमानी बन गई हैं।

B- बाप को भूल गई है।

C- स्वयं को भूल गई है।

D- विकारों के वश हो गई है।

प्रश्न 2- सदा देही- अभिमानी (आत्माभिमानी) कौन है ?

A- ब्राह्मण

B- बाबा

C- देवता

D- B और C

प्रश्न 3- कल्प के संगम पर किससे दुःख का चोपड़ा (हिसाब -किताब) चुक्तू करना है ?

A- ज्ञान से

B- योग से

C- धारणा से

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- बाबा हम बच्चों को कैसे गुणवान बना देते है ?

A- याद प्यार देकर

B- धारणा कराकर

C- ज्ञान रत्न देकर

D- श्रीमत प्रमाण चलाकर

प्रश्न 5- जिस बाप को तुमने आधाकल्प याद किया, अब उसका फरमान मिला है तो उसका पालन करो इससे .....?

A- तुम ऊँच पद पाएंगे

B- सजा से मुक्त हो जाएंगे

C- तुम्हारी चढ़ती कला हो जायेगी

D- दिलतख्त नशीन बनेंगे

प्रश्न 6- .....द्वारा व्यर्थ संकल्पों के बहाव का फोर्स समाप्त कर दो तो समर्थ बन जायेंगे ?

A- सहन शक्ति

B- समाने की शक्त

C- समेटने की शक्ति

D- परिवर्तन शक्ति

प्रश्न 7- अपने द्वारा यदि किसी का कल्याण होता है, तो क्या सोचना है ?

A- मैं विश्व कल्याणकारी हूँ।

B- मैं बाप समान मास्टर दुःख हर्ता हूँ।

C- कराने वाले बाप को याद करना है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- सबसे पुराने से पुरानी चीज़ कौन सी है ?

A- परमधाम

B- शिव बाबा

C- आत्मा

D- कृष्ण पुरी

प्रश्न 9- अगर कुमारियां बाप का बनकर जिस्मानी सर्विस ही करती रहें, कांटों को फूल बनाने की सर्विस नहीं करें तो यह क्या है ?

A- देह अभिमान

B- माया का परछाया

C- बाप का डिसरिगार्ड

D- पथ भ्रष्ट होना

प्रश्न 10- साधू, सन्त आदि सबको किस बात की तात लगी हुई है ?

A- अमर बनने की

B- निरोगी बनने की

C- शरीर निर्वाह की

D- भगवान को पाने की

प्रश्न 11- कौन सी याद सहजयोगी, सफलतामूर्त और बन्धनमुक्त बना देती है?

A- हिम्मते बच्चे मददे बाप

B- मैं और मेरा बाबा

C- सच्चे दिल पर साहेब राजी

D- मेरा बाबा,मीठा बाबा,प्यारा बाबा

प्रश्न 12- सदा विजयी बनने का सहज साधन कौन सा है ?

A- सदा निश्चिंत रहना

B- निश्चयबुद्धि होना

C- एक बल, एक भरोसा

D- फॉलो फादर

प्रश्न -13 माया के वार से बचने के लिए क्या बन अल्फ और बे को याद करते रहना है ?

A- सपूत

B- जिन्न

C- निश्चय बुद्धि

D- आत्म अभिमानी

प्रश्न 14- बाप से सच्चा लव रखना है। मुख से सिर्फ़ क्या नहीं करना है ?

A- बाबा बाबा

B- शिव-शिव

C- मेरा बाबा

D- बाप और आप

प्रश्न 15- यहाँ कितने आश्रम हैं, जहाँ वेद, शास्त्र, उपनिषद आदि सुनाते हैं, यह भी जैसे क्या बजाते रहते हैं ?

A- ढ़ोल

B- मुरली

C- डमरू

D- मंजीरा

प्रश्न 16- पुरानी दुनिया की किसी भी चीज़ में लागत (लगाव) नहीं रखना है। इस दुनिया में किसी भी बात का शौक नहीं रखना है। ऐसा बाबा क्यों कहते हैं ?

A- क्योकि अब घर जाना है।

B- क्योंकि यह कब्रिस्तान होने वाली है।

C- क्योकि सबकी वानप्रस्थ अवस्था है।

D- क्योंकि पुण्य आत्मा बनना है।

भाग (30) खण्ड {60} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.बाप को भूल गई है*

आत्मायें सुनती और बोलती हैं इन आरगन्स द्वारा, बाप बैठ आत्माओं को समझाते हैं। *आत्मा बेसमझ हो गई है क्योंकि बाप को भूल गई है।* ऐसे नहीं कि शिव भी परमात्मा है, कृष्ण भी परमात्मा है। वह तो कहते पत्थर-ठिक्कर सब परमात्मा हैं। सारी सृष्टि में उल्टा ज्ञान फैला हुआ है।

उत्तर 2- *D. B और C*

बाबा कहते हैं मैं सदैव देही-अभिमानी हूँ। मुझे कभी देह नहीं मिलती तो मुझे कभी देह-अभिमान नहीं हो सकता। यह देह तो इस दादा की है।कलियुग व द्वापरयुग में देहाभिमानी मनुष्य होते है। इसलिए दु:खी होते है। और *सतयुग व त्रेतायुग में आत्माभिमानी देवी- देवता होते है।*

उत्तर 3- *B.योग से*

अब फिर तुमको तमोप्रधान से सतोप्रधान जरूर बनना है। बाप ने पैगाम दिया है कि मुझे याद करो।सतयुग में कोई दु:ख नहीं होगा। बाकी सब आत्मायें शान्तिधाम में जाकर रहती हैं। तुम बच्चे जान गये हो कि अभी कयामत का समय

हुआ है। इसलिए *कल्प के संगम पर योग बल से दु:ख का चौपड़ा (हिसाब-किताब) चुक्तू करना है।* नया जमा करना है।

उत्तर 4- *C.ज्ञान रत्न दे कर*

अभी हम कल्प के संगम पर आकर दु:ख का चौपड़ा चुक्तू करते हैं और दूसरी तरफ जमा करते हैं। यह व्यापार है ना। *बाबा ज्ञान रत्न दे गुणवान बना देते हैं।* फिर जितना जो धारण कर सके। एक-एक रत्न लाखों की मिलकियत है, जिससे तुम भविष्य में सदा सुखी रहेंगे।

उत्तर 5- C.तुम्हारी चढ़ती कला हो जायेगी

जिस बाप को तुमने आधाकल्प याद किया, अब उसका फरमान मिलता है तो उसे पालन करो इससे तुम्हारी चढ़ती कला हो जायेगी" बाप समझाते हैं तुम्हारी अब चढ़ती कला है। जिसका हाथ पकड़ा है वह तुमको साथ ले जायेंगे। हम भारतवासियों की ही चढ़ती कला है। मुक्ति में जाकर फिर जीवनमुक्ति में आयेंगे।

उत्तर 6- D.परिवर्तन शक्ति

परिवर्तन शक्ति द्वारा व्यर्थ संकल्पों के बहाव का फोर्स समाप्त कर दो तो समर्थ बन जायेंगे।

उत्तर 7- C.कराने वाले बाप को याद करना है

अपने द्वारा यदि किसी का कल्याण होता है, तो मैंने इसका कल्याण किया, इस अहंकार में नहीं आना है। यह भी देह-अभिमान है। *कराने वाले बाप को याद करना है।*

उत्तर 8- B.शिव बाबा

पुराने-पुराने चित्रों को बहुत खरीद करते हैं। पुरानी-पुरानी स्टेम्प्स भी बिकती हैं ना। वास्तव में सबसे पुराना तो शिवबाबा है ना। परन्तु किसको पता नहीं। महिमा सारी शिवबाबा की है। वह चीज़ तो मिल न सके। पुराने ते पुरानी चीज़ कौन सी है? नम्बरवन शिवबाबा।

उत्तर 9- C.बाप का डिसरिगार्ड

खास कुमारियों को ईश्वरीय गवर्मेन्ट की सेवा करनी है। मम्मा को पूरा-पूरा फालो करना है। *अगर कुमारियां बाप का बनकर जिस्मानी सर्विस ही करती रहें, कांटों को फूल बनाने की सर्विस नहीं करें तो यह भी जैसे बाप का डिसरिगार्ड है।*

उत्तर 10- C.शरीर निर्वाह की

साधू सन्त आदि सबको तात लगी हुई है शरीर निर्वाह की। सभी एक दो को धनवान बनने की मत देते रहते हैं। सबसे अच्छी मत साधुओं, गुरूओं की मानी जाती है। परन्तु वह भी अपने पेट के लिए कितना धन इकट्ठा करते हैं। मुझे तो अपना शरीर नहीं है। मैं अपने पेट के लिए कुछ नहीं करता हूँ।

उत्तर 11- B.मैं और मेरा बाबा

जब तक कर्मेन्द्रियों का आधार है तब तक कर्म तो करना ही है लेकिन कर्मबन्धन नहीं, कर्म-सम्बन्ध है। ऐसा जो मुक्त है वो सदा सफलतामूर्त है। *इसका सहज साधन है - मैं और मेरा बाबा। यही याद सहजयोगी, सफलतामूर्त और बन्धनमुक्त बना देती है।*

उत्तर 12- C.एक बल,एक भरोसा

सदा विजयी बनने का सहज साधन है - एक बल, एक भरोसा। एक में भरोसा है तो बल मिलता है। निश्चय सदा निश्चिंत बनाता है और जिसकी स्थिति निश्चिंत है, वह हर कार्य में सफल होता है क्योंकि निश्चिंत रहने से बुद्धि जजमेंट यथार्थ करती है।

उत्तर 13- B.जिन्न

भक्ति मार्ग में मीरा को भल साक्षात्कार हुआ। परन्तु वह कोई विश्व की मालिक थोड़ेही बनी। *तुमको तो बाबा कहते हैं जिन्न बनो। तुमको काम देता हूँ सिर्फ अल्फ, बे को

याद करते रहो।* अगर थक जायेंगे, याद नहीं करेंगे तो माया कच्चा खा जायेगी। एक कहानी भी है जिन्न खा गया।

उत्तर 14- B.शिव-शिव

मामेकम्, यह बच्चों को आदत पड़ जानी चाहिए। ऐसे नही कोई याद कराये। शरीर छोड़ने के समय आपेही याद आवे, बिगर किसकी मदद के बाप को याद करना है। वे लोग तो मंत्र देते हैं। वह तो कॉमन बात है। उस समय बहुत मारामारी आदि होती है। तुम भिन्न-भिन्न स्थान पर रहते हो। *उस समय ऐसे नहीं कहेंगे शिव-शिव कहो। उस समय पूरी याद चाहिए, लव चाहिए, तब ही नम्बरवन पद प्राप्त कर सकेंगे*

उत्तर 15-C. डमरू

शिव को भोलानाथ कहा जाता है। और यह जो डमरू बजाते हैं उनको शंकर कह देते हैं। *यहाँ कितने आश्रम हैं, जहाँ वेद, शास्त्र, उपनिषद आदि सुनाते हैं, यह भी जैसे डमरू बजाते हैं।*

उत्तर 16- B.क्योंकि यह सब क़ब्रिस्तान होने वाली है

तुम बच्चों को इस दुनिया में कोई शौक नहीं रखना चाहिए - यह कब्रिस्तान है। पुरानी दुनिया से क्या लागत (लगाव) रखनी है। अमेरिका में जो सेन्सीबुल हैं वह समझते हैं कोई प्रेरक है। मौत सामने खड़ा है। विनाश तो होना ही है। सबकी दिल तो खाती ही रहती है। ड्रामा की भावी ऐसी बनी हुई है।